अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2023

अंक-योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड--002

प्रश्न-पत्र कोड--29/2/1 से 3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा- प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिहन न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

ZOLLEGE.in

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ की गई प्रविष्टि सही हो तथा कुल अंकों को आंकड़ों और शब्दों में लिखे।

14. उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

ZOLLEGE.in

अंक योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

प्रश्न सं.	29/2/1	29/2/2	29/2/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड अ **वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर**	
1	1	2	1	(i) (b) मानसिक विकार (ii) (c) कल्पित/मौखिक कथन (iii) (c) पूर्ण समर्पण (iv) (c) प्राकृतिक सुविधाएँ व्यक्ति को स्वयं उपलब्ध हो जाती हैं। (v) (b) कामनाओं की समाप्ति के लिए (vi) (b) ईश्वर की उदारता (vii) (c) भिक्षा (viii) (d) ऐसी तृष्णा जो संभव न हो (ix) (b) शाश्वत सुख और परमशांति की प्राप्ति (x) (b) स्वयं को मानवता के प्रति समर्पण	10 x 1 = 10
2	2	1	2	काव्यांश- एक (i) (c) पेड़ों का कुल्हाड़ियों के डर से चीखना (ii) (b) रक्षा के लिए पुकारते उसके हजारों हाथ (iii) (a) वे हमारी जीवनी शक्ति हैं। (iv) (b) चुपचाप बहती नदियाँ अपने जल को दूषित होते देख दुख व्यक्त कर रही हैं। (v) (b) विस्फोट के द्वारा उसे टुकड़े-टुकड़े कर देने के कारण (vi) (c) उनके अचल होने की स्थिति का (vii) (c) खून की उल्टियाँ करते (viii) (c) पर्यावरण संरक्षण में मानव की भूमिका का **अथवा** काव्यांश- दो (i) (b) आलस्यपूर्ण और उद्यमपूर्ण (ii) (d) परिश्रम किए बिना जीवन में कुछ भी	8 x 1 = 8

ZOLLEGE.in

				प्राप्त नहीं होता। (iii) (c) उद्यम और परिश्रम करने के कारण (iv) (b) अपने भाग्य को (v) (b) कर्म रूपी तेल भाग्य रूपी दीप में पड़ने पर (vi) (b) साँचे की (vii) (b) फूल (viii) (c) बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो	
3	**3**	**3**	**3**	(i) (b) समाचार संकलित करने का लाभ नहीं मिलता है। (ii) (a) टेलीविजन – दृश्य-श्रव्य माध्यम (iii) (d) संपादकीय (iv) (a) तेजड़िए, मंदडिए, बिकवाली (v) (b) किसी बड़ी खबर का तत्काल दर्शकों तक पहुँचाया जाना।	**5 x 1 = 5**
4	**4**	**5**	**4**	(i) (c) पुत्री सरोज (ii) (b) मेरा सारा जीवन दुखों में ही बीता है। (iii) (c) सहारा (iv) (b) विगत समय के समस्त अपने सत्कर्मों को पुत्री को अर्पित करते हुए। (v) (c) उपमा (vi) (b) (क) और (ग)	**6 x 1 = 6**
5	**5**	**4**	**5**	(i) (b) धनाढ्य वर्ग (ii) (b) धनाढ्य लोगों द्वारा फसल पर कब्जा कर लिए जाने के कारण (iii) (b) जंगली जानवरों से खेती की रखवाली (iv) (d) पूरे जंगल में डुग्गी पीटकर चेतावनी दी कि खेत को कोई नुकसान न पहुँचाए। (v) (d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है। (vi) (b) धनाढ्य वर्ग द्वारा निर्धन की कमाई हड़पना।	**6 x 1 = 6**
6	**6**	**6**	**6**	(i) (a) उदारता (ii) (b) बिसनाथ की माँ के दूसरा बेटा होने के कारण (iii) (c) तालाब, बड़ी-बड़ी बावड़ियाँ बनवाना (iv) (d) जलवायु परिवर्तन (v) (b) एक प्रकार का जलपुष्प है, जिसकी गंध मादक होती है।	**5 x 1 = 5**

ZOLLEGE.in

				खंड ब **(वर्णनात्मक प्रश्न)**	
7	**7**	**7**	**7**	किसी ***एक*** शीर्षक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख : भूमिका : 1 अंक विषयवस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक	**1 x 5 = 5**
8	**8**	**8**	**9**	(क) शब्दों के खेल, मेलजोल, अर्थ की परतों को खोलकर कविता बनती है। प्रमुख घटक—तुकबंदी, छंद (आंतरिक लय), बिंब (स्मृति चित्र/शब्द) (ख) कथानक, पात्र और चरित्र-चित्रण, देशकाल-वातावरण, अभिनेयता और रंगमंचीयता, संवाद आदि। (ग) • संवाद कहानी, पात्र को स्थापित करते हैं। • कहानी को रुचिकर बनाते हैं। • कहानी को गति प्रदान करते हैं। (क) शब्दों से खेलना, ध्वनि, छंद (आंतरिक लय), चित्रात्मक भाषा (बिंब), कवि की प्रतिभा। (ख) कथानक, पात्र और चरित्र-चित्रण, देशकाल और वातावरण, अभिनेयता और रंगमंचीयता, संवाद आदि। (ग) • संवाद कहानी, पात्र को स्थापित करते हैं। • कहानी को रुचिकर बनाते हैं। • कहानी को गति प्रदान करते हैं। (विद्यार्थी द्वारा दिया गया कोई भी उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य) (क) • भाषा-शब्दों का (अर्थानुकूल) उपयुक्त चयन • बिंबों का समावेश • छंद (आन्तरिक लय) • चित्रात्मक भाषा • बोधगम्य दृश्य • परिवेश और वातावरण • कवि की प्रतिभा	**2 x 3 = 6**

ZOLLEGE.in

				(ख) ● संवाद नाटक में पात्रों के चरित्र को उद्घाटित करते हैं। ● नाटक को रुचिकर बनाते हैं। ● नाटक को गति प्रदान करते हैं। ● नाटक के कथानक के उद्देश्य को स्पष्ट करते हैं । (ग) किसी घटना ,पात्र अथवा समस्या का क्रमबद्ध वर्णन जिसमें परिवेश हो ,द्वंद्वात्मकता हो ,कथा का क्रमिक विकास हो ,चरम उत्कर्ष का बिंदु हो उसे **कहानी** कहते हैं । कहानी के तत्व-- ● प्रभावी कथानक ● देशकाल ,वातावरण और स्थान ● पात्र, परिस्थिति और भावानुकूल संवाद ● द्वंद्व की योजना ● चरमोत्कर्ष ● भाषा-शैली ● उद्देश्य	
9	**9**			(क) उलटा पिरामिड शैली : ● इसका प्रयोग 19 वीं सदी में प्रारंभ हुआ और विकास अमेरिका के गृहयुद्ध के बाद हुआ । ● सबसे महत्त्वपूर्ण सूचना (क्लाइमेक्स) ऊपर होती है और उसके बाद घटनाएँ महत्व के आधार पर घटते क्रम में प्रस्तुत की जाती हैं । ● धीरे-धीरे इस शैली का विकास हुआ और समाचार लेखन की मानक शैली बन गयी । ● लोकप्रिय शैली है – छह ककारों की प्राथमिकता रहती है – विवरणात्मक, व्याख्यात्मक तथा विश्लेषणात्मक पहलू पर बल दिया जाता है । (ख) विशेष लेखन-- समाचार पत्रों/पत्रिकाओं में सामान्य खबरों के अलावा गहरी छानबीन, विश्लेषण, व्याख्या के आधार पर खास रिपोर्ट प्रकाशित होती है, जो किसी घटना, समस्या/मुद्दा की गहरी छानबीन पड़ताल करके की जाती है । ● तथ्यों के माध्यम से परिणाम, प्रभाव तथा कारणों को स्पष्ट करना	**2 x 3 = 6**

ZOLLEGE.in

				● बोधगम्य और सारगर्भित भाषा ● सामान्य लेखन से अलग-विशेष तकनीकी शब्दावली का प्रयोग	
		9		(क) ● समाचार उलटा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं। ● इस शैली में – क्या, कहाँ, कैसे, किससे, कब, क्यों मुख्यत: इन छह ककारों के सवालों के उत्तर देने का नियम समाचार लिखने में अपनाया जाता है। ● ये छह ककार समाचार लेखन से संबंधित हैं – प्रथम चार ककार – क्या, कौन, कब, कहाँ के द्वारा इंट्रो बनाया जाता है – दो अन्य ककारों (कैसे/क्यों) के उत्तर द्वारा समाचार की बॉडी बनाई जाती है। (ख) फीचर – सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना और मनोरंजन करना है। ● समाचार की तरह तात्कालिक घटनाओं से अवगत नहीं कराता ● समाचार लेखन की शैली से भिन्न कथात्मक शैली ● लेखक को अपनी राय जाहिर करने का अवसर (किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित)	
			8	(क) फीचर – सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करना और मनोरंजन करना है। ● समाचार की तरह तात्कालिक घटनाओं से अवगत नहीं कराता ● समाचार लेखन की शैली से भिन्न कथात्मक शैली ● लेखक को अपनी राय जाहिर करने का अवसर (ख) गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या के आधार पर लिखा गया लेखन विशेष-लेखन। भाषा शैली – बोधगम्य भाषा, सामान्य लेखन से अलग-विशेष तकनीकी शब्दावली का प्रयोग। (ग) समाचार लेखन : पत्रकारीय लेखन का जाना पहचाना रूप समाचार लेखन है। अखबारों में पूर्णकालिक, अंशकालिक पत्रकार समाचार लिखते	

ZOLLEGE.in

ZOLLEGE.in

				हैं – समाचार एक विशेष शैली में लिखे जाते हैं – किसी भी घटना, समस्या के महत्त्वपूर्ण तथ्य, सूचना पहले पैराग्राफ में – उसके बाद के पैराग्राफ में कम महत्त्वपूर्ण तथ्य। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है जब तक समाचार खत्म नहीं होता। इसमें छह ककारों के उत्तर का समावेश होता है। यह उलटा पिरामिड शैली नाम से जाना जाता। समाचार लेखन की सबसे लोकप्रिय, उपयोगी और मानक शैली है। विशेषता- ● सच्ची घटना पर आधारित ● सारगर्भित, महत्त्वपूर्ण खोज पर आधारित ● वर्तमान, भूत, भविष्य किसी से भी संबद्ध ● जिज्ञासा, सहानुभूति, संवेदनशीलता, आलोचना आदि भाव इससे उत्पन्न होते हैं।	
10	10	 10		(क) ● बूँद व्यक्ति (व्यष्टि) का प्रतीक, समुद्र विराट (संसार/ समष्टि) का प्रतीक ● मनुष्य जीवन की नश्वरता ● बूँद की क्षणभंगुरता की व्याख्या ● क्षण का महत्व (ख) ● बनारस के घाट पर भिखारियों के खाली कटोरों में लोगों से प्राप्त धन के माध्यम से खुशहाली का (वसंत का उतरना) आगमन होता है। संघर्षमय जीवन में आशा की लहर आ जाती है। (ग) नायिका जाने कब से अपने प्रिय को निहार रही है। उनके दर्शन से संतुष्ट नहीं हो पाई है बल्कि दर्शन पाने की इच्छा और बढ़ गई है। यहाँ प्रेम में तृप्ति का अभाव है। (क) ● बनारस शहर की विशेषता का उद्घाटन ● परंपराओं में अगाध विश्वास ● आधुनिकता से प्रभावित न होना ● बनारस अपनी संस्कृति से जुड़ा शहर	2 x 2 = 4

ZOLLEGE.in

				● किसी भी बदलाव को सहज स्वीकार न करने वाला शहर (ख) ● मनुष्य का प्रकृति से टूटता रिश्ता ● आज भी ऋतुओं में परिवर्तन जारी पर मानव का ध्यान न जाना ● पेड़ों से पत्तों का गिरना, कोपलें फूटना, पलाश का फूलना, पक्षियों का कूकना आदि हैं पर मनुष्य इन सब के प्रति उदासीन और संवेदनहीन (ग) 'आधे-आधे' गाने से अभिप्राय सृजन का अधूरा छूट जाना है। जब तक मन के भीतर ऊब और खीज है तब तक संपूर्ण सृजन नहीं हो सकता, उसमें अधूरापन रहता है। मन का उल्लास और प्रसन्नता ही सृजन में सहायक है जो परती भूमि को खेत में बदल सकती है।	
			10	(क) ● भरत निर्मल हृदय ● राम के प्रति भ्रातृप्रेम ● आत्मग्लानि का भाव ● परिस्थितियों और स्वयं के दुर्भाग्य को दोषी ठहराना ● उदार और विशाल हृदय के धनी (ख) ● दीपक का प्रतीकात्मक प्रयोग ● मनुष्य सर्वशक्तिमान ● व्यक्ति की व्यक्तिगत सत्ता (व्यष्टि) का गुणगान ● दीप अर्थात् व्यक्ति के गुण एवं शक्तियाँ समाज (समष्टि) को और भी सुदृढ़ बनाने में सहायक (ग) ● बूँद व्यक्ति (व्यष्टि) का प्रतीक, समुद्र विराट (संसार/ समष्टि) का प्रतीक ● मनुष्य जीवन की नश्वरता ● बूँद की क्षणभंगुरता की व्याख्या ● क्षण का महत्व	

ZOLLEGE.in

11	11	11	12	किसी एक काव्यांश की व्याख्या अपेक्षित : कवि—जयशंकर प्रसाद कविता— कार्नेलिया का गीत अथवा कवि—तुलसीदास कविता—पद संदर्भ और प्रसंग– 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक	1 x 6 = 6
12	12	12		(क) • हिंदुस्तानी रईस • उत्सव-प्रेमी • आकर्षक व्यक्तित्व के धनी • बातचीत की कला में कुशल • विनोदी स्वभाव • नागरी भाषा प्रेमी (ख) विद्यार्थियों द्वारा दी गई स्वतंत्र अभिव्यक्ति स्वीकार्य (ग) • संभव के मन को उस मुलाकात ने झकझोर दिया • उससे मिलने के लिए संभव व्याकुल हो उठा • अगले ही दिन हर की पौड़ी पर जाने का निश्चय • पूरी रात बेचैन, करवटें बदलना • जीवन में पहली बार किसी लड़की से मिलना • भाव विभोर, उससे मिलने के लिए उतावला (क) • स्वयंवर के लिए तीन पेटियों का उल्लेख, जिसमें सोना, चाँदी और लोहे की पेटी • सोने की पेटी का चयन करने वाला अकड़बाज • चाँदी की पेटी का चयन करने वाला लालची • लोहे की पेटी का चयन करने वाला असल प्रेमी (ख) • पति की मृत्यु के बाद वह अकेली रह गई • तीनों देवर उसे छोड़ कर शहर चले गए	2 x 2 = 4

ZOLLEGE.in

			11	• सारा काम उसे खुद ही करना पड़ता • घर की वस्तुओं का बँटवारा हो गया • केवल बथुआ साग खाकर गुजारा करने को विवश (ग) 'शेर' सत्ता/व्यवस्था का प्रतीक है, जो ऊपर से अहिंसावादी, न्यायप्रिय और बुद्ध का अवतार प्रतीत होता पर भीतर से खूँखार। (क) • संवदिया निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी • संवदिया औरतों का गुलाम (ख) • अराफात द्वारा लेखक और उसकी पत्नी का सदर मुकाम के मुख्य द्वार पर स्वयं स्वागत करना • फल छील छीलकर खिलाया जाना • हाथ धोने के बाद तौलिया लेकर उपस्थित होना। (ग) • बड़े वैज्ञानिकों को नौकरी पर रखा गया उनसे शोध करवाए गए • जब कोई उपाय न मिला तो कटे हुए हाथ मंगवाकर मजदूरों को फिट करवाए पर ऐसा न हो सका। • मजदूरों को लकड़ी के हाथ लगवाए गए • फिर लोहे के हाथ फिट करवाए, सारे मजदूर मर गए।	
13	**13**	**14**	**13**	गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : पाठ—कुटज लेखक—हजारी प्रसाद द्विवेदी संदर्भ और प्रसंग– 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक	**1 x 6 = 6**
14	**14**	**13**	**14**	दो में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर अपेक्षित : (क) • भैरों के चरित्र का दूषित पक्ष उभरता है • बदला लेने के लिए के लिए वह किसी भी सीमा तक गिर सकता है • ईर्ष्या की प्रबल भावना	**1 x 3 = 3**

ZOLLEGE.in

				• स्वार्थ और लोभ की प्रवृत्ति (ख) • बढ़ते औद्योगीकरण और वैज्ञानिक अनुसंधानों के दुष्परिणाम से ग्लोबल वार्मिंग • कारखानों की गैस से वातावरण गर्म • तापमान की वृद्धि से समुद्री जल भी गर्म • सरलता से जीवन बिताना कठिन	

ZOLLEGE.in

ZOLLEGE.in